पिछले 10 वर्षों में रूपये का प्रदर्शन

द हिंदू

पेपर- III (अर्थव्यवस्था)

अप्रैल 2014 के अंत से अब तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 27.6% गिरकर 60.34 रुपये से 83.38 रुपये पर आ गया है।यह अप्रैल 2004 के अंत से अप्रैल 2014 के अंत तक 26.5% से थोड़ा अधिक है, जब डॉलर के मुकाबले रुपया 44.37 से गिरकर 60.34 पर आ गया था।

कैसे तय होती है रुपये की मजबूती या कमजोरी?

- भारत न केवल अमेरिका के साथ व्यापार करता है । यह अन्य देशों को वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात भी करता है और उनसे आयात भी करता है।
- इसलिए, रुपये की मजबूती या कमजोरी न केवल अमेरिकी डॉलर, बल्कि अन्य वैश्विक मुद्राओं के साथ इसकी विनिमय दर पर भी निर्भर करती है ।
- इसकी गणना रुपये की प्रभावी विनिमय दर (ईईआर) के आधार पर की जाती है।

रुपये की प्रभावी विनिमय दर क्या है?

- रुपये की प्रभावी विनिमय दर को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के समान सूचकांक द्वारा मापा जाता है ।
- सीपीआई एक निश्चित आधार अवधि के सापेक्ष किसी दिए गए महीने या वर्ष के लिए वस्तुओं और सेवाओं के प्रतिनिधि उपभोक्ता समूह का भारित औसत खुदरा मूल्य है।
- रुपये की प्रभावी विनिमय दर भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की मुद्राओं की तुलना में रुपये की विनिमय दरों के भारित औसत का एक सूचकांक है।
- मुद्रा भार भारत के कुल विदेशी व्यापार में अलग-अलग देशों की हिस्सेदारी से प्राप्त होता है, जैसे सीपीआई में प्रत्येक वस्तु का भार समग्र उपभोग टोकरी में उनके सापेक्ष महत्व पर आधारित होता है।

रुपये की प्रभावी विनिमय दर के दो उपाय क्या हैं?

नॉमिनल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (नीर)

- भारतीय रिजर्व बैंक ने छह और 40 मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले रुपये के एनईईआर सूचकांक का निर्माण किया है।
- पूर्व एक व्यापार-भारित औसत दर है जिस पर रुपया मूल मुद्रा टोकरी के साथ विनिमय योग्य होता है, जिसमें अमे. रिकी डॉलर, यूरो, चीनी युआन, ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और हांगकांग डॉलर शामिल होते हैं ।
- बाद वाला सूचकांक उन देशों की 40 मुद्राओं की एक बड़ी टोकरी को कवर करता है जो भारत के वार्षिक व्यापार प्रवाह का लगभग 88% हिस्सा हैं।
- एनईईआर सूचकांक 2015-16 के लिए 100 के आधार वर्ष मूल्य के संदर्भ में हैं: वृद्धि इन मुद्राओं के मुकाबले रुपये की प्रभावी सराहना का संकेत देती है और कमी समग्र विनिमय दर में गिरावट का संकेत देती है।
- जबकि एनईईआर एक सारांश सूचकांक है जो रुपये के बाहरी मूल्य (वैश्विक मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले) में उतार- चढ़ाव को दर्शाता है, एनईईआर मुद्रास्फीति को ध्यान में नहीं रखता है (रुपये के आंतरिक मूल्य में परिवर्तन को दर्शाता है)।

रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (रीर):

- रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट मूल रूप से एनईईआर है जिसे घरेलू देश और उसके व्यापारिक भागीदारों के बीच मुद्रास्फीति के अंतर के लिए समायोजित किया जाता है।
- यदि किसी देश की नाममात्र विनिमय दर उसकी घरेलू मुद्रास्फीति दर से कम हो

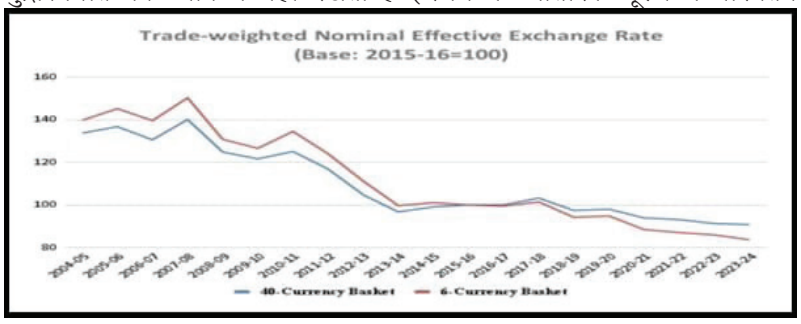

जाती है - जैसा कि भारत के साथ है - तो मुद्रा वास्तव में 'वास्तविक' संदर्भ में बढ़ी है।

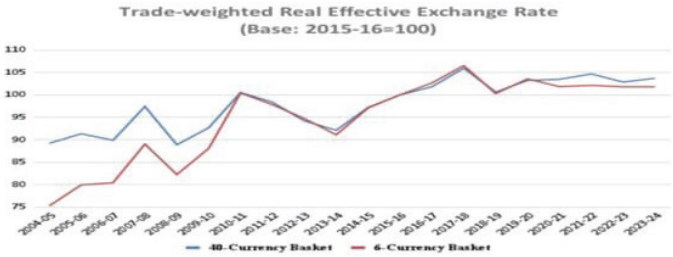

एनईईआर और आरईईआर डेटा क्या दर्शाता है?

एनईईआर (NEER):

- 2004-05 और 2023-24 के बीच रुपये की 40-मुद्रा बास्केट NEER में लगभग 32.2% (133.8 से 90.8 तक) की गिरावट आई है।
- गिरावट और भी अधिक है - 40.2%, 139.8 से 83.7 तक - संकीर्ण 6-मुद्रा टोकरी एनईईआर के लिए।
- इसी अवधि के दौरान, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की औसत विनिमय दर 45.7% गिरकर 44.9 रुपये से 82.8 रुपये हो गई।
- सीधे शब्दों में कहें तो, 40-मुद्राओं के मुकाबले रुपये का 32.2-40.2% का 'प्रभावी' अवमूल्यन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसके 45.7% के मूल्यह्रास से कम है।
- इसका कारण इसका डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं के मुकाबले कम कमजोर होना है।

आरईईआर (REER):

- समय के साथ रुपया वास्तविक रूप से मजबूत हुआ है , जबकि पिछले 10 वर्षों में से 9 वर्षों में यह 100 या इससे ऊपर रहा है।
- यदि कोई केवल रुपये के एनईईआर या अमेरिकी डॉलर के साथ इसकी विनिमय दर को लेता है तो यह कमजोर होने की प्रवृत्ति के विपरीत है।
- आरईईआर में किसी भी वृद्धि का मतलब है कि भारत से निर्यात किए जा रहे उत्पादों की लागत देश में आयात की कीमतों से अधिक बढ़ रही है।
- इसका मतलब व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का नुकसान है - जो लंबे समय में काफी अच्छी बात नहीं हो सकती है।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : भारत में रुपए की गिरावट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अप्रैल 2014 के अंत से अब तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 27.6% गिरा है।
2. वर्तमान सरकार के पूर्ण कार्यकाल में यूपीए सरकार के दस वर्षों के कार्यकाल में रुपए की गिरावट कम है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements regarding the decline of Rupee in India-

1. The rupee has fallen 27.6% against the US dollar since the end of April 2014.
2. The decline of the rupee is less in the entire tenure of the current government than in the ten years of the UPA government.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 and nor 2

उत्तर : A

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: रुपये की गिरावट से क्या अभिप्राय होता है?रुपये की मजबूती या कमजोरी कैसे तय होती है? चर्चा करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में रुपये की गिरावट की अवधारणा को स्पष्ट करें।
- दूसरे भाग में रुपये की मजबूती या कमजोरी निर्धारित करने वाले कारकों की चर्चा करें।
- अंत में सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अत: इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।